B. A. -I (HISTORY) HONOURS, 2020.

NOTES PREPARED BY →

DR. MANITA KUMARI YADAV
ASSISTANT PROFESSOR
DEPARTMENT OF HISTORY
VAISHALI MAHILA COLLEGE
HAJIPUR, BIHAR UNIVERSITY
MUZAFFARPUR.

Scanned with CamScanner

पुष्यभूति वंश →

गुप्त वंश के पतन के पश्चात् गुप्तों के हर्वांसवेशष पर अनेक छोटे - 2 राजवंशों का उदय संभव हुआ। इन राजवंशों में पुष्यभूति राजवंश सर्वाधिक महत्वपूर्ण राजवंश था। गुप्त साम्राज्य के पतन के पश्चात् हरियाणा के पास अम्बाला जिला में स्थानेश्वर नामक स्थान पर पुष्यभूति वंश की स्थापना हुई।

इस वंश में नरवर्द्धन, राज्यवर्द्धन एवं आदित्य वर्द्धन तथा प्रभाकरवर्द्धन जैसे शासक सत्ताकढ़ हुए। प्रभाकर वर्द्धन के दो पुत्र थे → (i) राज्यवर्द्धन (ii) हर्षवर्द्धन। जबकि एक पुत्री हुई → राज्यश्री।

राज्यश्री का विवाह कन्नौज के मौखरी शासक गृहवर्मन के साथ हुआ। इसी बीच मालवा के शासक देवगुप्त ने गौड़ नरेश शशांक के साथ मिलकर कन्नौज के शासक गृहवर्मन की हत्या कर दी। इस कारण वश पुष्यभूति वंश के शासक राज्यवर्द्धन ने देवगुप्त एवं गौड़ नरेश शशांक के विरुद्ध अभियान चलाया। राज्यवर्द्धन ने देवगुप्त को पराजित कर दिया।

परंतु शशांक ने धोखे से इसकी हत्या कर दी। इसी विषम परिस्थिति में

606 ई० में हर्षवर्धन गद्दी पर बैठा।

हर्षवर्धन → (606 ई० - 647 ई०)

गद्दी पर बैठने के पश्चात हर्षवर्धन के पास दो मुख्य समस्याएँ थीं।

(i) प्रथम समस्या अपने बड़े भाई के हत्यारे शशांक से बदला लेने की थी।

(ii) दूसरी मूल समस्या राज्यश्री को शशांक के कैद से छुड़ाना था। इसी बीच हर्ष के मुख्य सेनापति तथा ममेरा भाई ~~[illegible]~~ भण्डि के सूचनानुसार राज्यश्री को विन्ध्य जंगल में खोजने के लिए हर्षवर्धन ने अभियान चलाया तथा महान बौद्ध भिक्षु दिवाकर मित्र की सहायता से उस समय राज्यश्री को ढूँढ निकाला, जब वह सती होने जा रही थी।

शशांक से बदला लेने तथा अपनी बहन राज्यश्री को ढूँढने के पश्चात हर्षवर्धन ने अपनी राजधानी थानेश्वर के स्थान पर कन्नौज स्थानांतरित किया। शशांक को पराजित करने के पश्चात हर्षवर्धन ने अपना कदम उत्तर भारत पर विजय प्राप्त करने की ओर लगाया। ह्वेनसांग के यात्रा-वृतांत सी-यू-की के अनुसार हर्षवर्धन ने पंजाब, कन्नौज, गौड़ या बंगाल या मिथिला पर विजय प्राप्त की। इन पाँचों क्षेत्रों को पाँच देश कहकर ह्वेनसांग ने संबोधित किया है।

बाणभट्ट की पुस्तक हर्षचरित से स्पष्ट होता

Scanned with CamScanner

है कि हर्षवर्धन ने सिंध, H.P. नेपाल पर भी विजय प्राप्त की तथा वल्लभी के शासक ध्रुवसेन-II की पुत्री ध्रुवदेवी से विवाह किया।

उत्तरी भारत में सत्ता स्थापित करने के पश्चात् हर्षवर्धन ने दक्षिण विजय की ओर योजना बनाई। दक्षिण विजय के क्रम में उसका महत्वपूर्ण संघर्ष चालुक्य शासक पुलकेशिन-II से हुआ। पुलकेशिन-II ऐहोल अभिलेख से स्पष्ट होता है कि उसने नर्मदा नदी के तट पर 'उत्तरापथस्वामी' अर्थात् हर्षवर्धन को पराजित किया।

इस प्रकार दक्षिण भारत के विजय अभियान के क्रम में हर्षवर्धन को कोई सफलता प्राप्त नहीं हुई।

Scanned with CamScanner